Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

## बहुविकल्पी प्रश्न

1. **जेब टटोली कौड़ी न पाई, मांझी को दूं क्या उतराई ?**
**कवयित्री ललद्यद ने 'मांझी' शब्द के द्वारा किस की ओर संकेत किया है?**
(अ) नाविक (ब) ईश्वर
(स) मार्गदर्शक (द) गुरु

2. **ज्ञानी है तो स्वयं को जान, वही है साहिब से पहचान।**
**ललद्यद द्वारा रचित इन पंक्तियों में 'साहिब' शब्द द्वारा किसी ओर संकेत किया गया है ?**
(अ) शिव (ब) निर्गुण निराकार ब्रह्म
(स) कृष्ण (द) गुरु

3. **वाख काव्य के संदर्भ में समभावी का क्या अर्थ है?**
(अ) ईश्वर की साधना करना (ब) ईश्वर के साथ समभाव रखना
(स) कर्म करते रहना (द) सभी प्राणियों के साथ समभाव रखना

4. **वाख काव्य के संदर्भ में रस्सी किसके लिए प्रयोग हुआ है?**
(अ) ईश्वर प्राप्ति के लिए हो रहे प्रयासों के लिए (ब) बंधन के लिए
(स) जीवन रूपी डोर के लिए (द) परंपरा के लिए

5. **ललद्यद को किस नाम से नहीं जाना जाता?**
(अ) लंकेश्वरी (ब) ललयोगेश्वरी
(स) ललारिफा (द) लल्लेश्वरी

6. **वाख काव्य के संदर्भ में कवयित्री ने सर्वत्र के लिए कौन-सा शब्द प्रयोग किया है?**
(अ) जल-थल (ब) स्थल-थल
(स) थल-थल (द) नभ-थल

7. **पानी टपके कच्चे सकोरे, व्यर्थ प्रयास हो रहे मेरे। जी में उठती रह-रह हूक, घर खाने की चाह है घेरे।।**
**इस पंक्ति में कवयित्री ललद्यद किस घर के विषय में बात करती हैं ?**
(अ) मकान (ब) ईश्वर
(स) मृत्यु (द) मुक्ति

8. **वाख काव्य के संदर्भ में कवयित्री के मोक्ष प्राप्ति के रास्ते बंद क्यों हैं?**
(अ) उसके प्रयास कमजोर हैं (ब) यह मोह ग्रस्त है
(स) वह ईश्वर में विश्वास नहीं रखती (द) उन्होंने नाशवान चीजों का सहारा लिया है

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

9. **जब टटोलना का अर्थ है —**

(अ) आत्मालोचन करना (ब) पैसों का गायब होना

(स) पैसे देना (द) उधार चुकाना

10. **कवयित्री ललद्यद की प्रसिद्ध काव्य शैली का नाम बताइए—**

(अ) दोहा (ब) छंद

(स) वाख (द) चौपाई

## रिक्त स्थान :

11. कवयित्री ललद्यद ने _____ धर्म की शिक्षा ली थी।

12. वाख की रचयिता _____ भाषा में रचना करती थी।

## सत्य / असत्य

13. बाख काव्य के संदर्भ में कच्चे धागे कर्मों का प्रतीक है।

14. कवयित्री ललद्यद पिता के घर जाना चाहती हैं।

## अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. वाख कविता की कवयित्री का घर जाने की चाह से क्या तात्पर्य है?

16. कवयित्री ललद्यद किसे साहब मानती है? वह साहब को पहचानने का क्या उपाय बताती है?

## लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. बंद द्वार की साँकल खोलने के लिए ललद्यद ने क्या उपाय सुझाया है?

18. हिंदू-मुसलमाँ को एक-दूसरे को समान समझना चाहिए-कवयित्री इसके लिए क्या तर्क देती है?

## निबंधात्मक प्रश्न

19. हमारे संतो, भक्तों और महापुरुषों ने बार-बार चेताया है कि मनुष्यों में परस्पर किसी भी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होता, लेकिन आज भी हमारे समाज में भेदभाव दिखाई देता है- आपकी दृष्टि में इस कारण देश और समाज को क्या हानि हो रही है?

20. आशय स्पष्ट कीजिए —

थल-थल में बसता है शिव ही,
भेद न कर क्या हिंदू-मुसलमां।
ज्ञानी है तो स्वयं को जान,
वही है साहिब से पहचान।।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

HOTS

**21. अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये —**

आई सीधी राह से, गई न सीधी राह।
सुषुम-सेतु पर खड़ी थी, बीत गया दिन आह!
जेब टटोली, कौड़ी न पाई।
माझी को दूँ, क्या उतराई?

**21. (i) कवयित्री के अनुसार, वह पद्यांश में किस मार्ग पर न चलने की बात कर रही है?**

(अ) अनुचित कार्यों के मार्ग में चलने की
(ब) प्रेम के सरल मार्ग पर चलने की
(स) इनमें से कोई नहीं
(द) भक्ति के सरल मार्ग पर नहीं चलने की

**21. (ii) सुषुम-सेतु से कवयित्री का क्या तात्पर्य है?**

(अ) योग-साधना न करने से
(ब) सुषुम्ना नाड़ी की साधना से
(स) ईश्वर को प्राप्त कराने के साधन से
(द) सुंदर पुल से पार न जाने से

**21. (iii) कवयित्री की चिंता क्या है?**

(अ) वह ईश्वर को पाने का मार्ग ढूँढना चाहती है
(ब) उसके पास ईश्वर को देने के लिए कुछ नहीं है
(स) उसे घर जाने के लिए कोई मार्ग नहीं मिला है
(द) वह योग-साधना करना चाहती है

**21. (iv) कवयित्री के अनुसार, उसके पास क्या नहीं था?**

(अ) हठ योग की साधना
(ब) भक्ति की सहज भावना
(स) माझी को देने के लिए पैसे
(द) कर्मकांड या बाह्य आडंबर

**21. (v) पद्यांश में माझी किसका प्रतीक है?**

(अ) भक्ति का
(ब) मल्लाह का
(स) प्रेम का
(द) ईश्वर का

मिशन ज्ञान
मुझे जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (द) योग साधना द्वारा गुरु साधकों को संसार के पार उतारता है।
2. (अ) कवयित्री शिव भक्त थी, उनका मानना था कि ईश्वर सबके हृदय में बसता है।
3. (द) वाख काव्य के संदर्भ में समभावी का अर्थ है सभी प्राणियों के साथ समभाव रखना।
4. (स) वाख काव्य के संदर्भ में रस्सी जीवन रूपी डोर के लिए प्रयोग हुआ है।
5. (अ) ललद्यद को लंकेश्वरी के नाम से नहीं जाना जाता है।
6. (स) वाख काव्य के संदर्भ में कवयित्री ने सर्वत्र के लिए थल-थल शब्द का प्रयोग किया है।
7. (द) वह मुक्ति की इच्छा करती है क्योंकि उनका मानना है कि प्रत्येक मनुष्य जन्म के बाद परमात्मा से अलग हो जाता है। परन्तु वे सभी अपने वास्तविक घर अर्थात परमात्मा के पास जाना चाहते हैं।
8. (द) वाख काव्य के संदर्भ में कवयित्री के मोक्ष प्राप्ति के रास्ते बंद हैं क्योंकि उन्होंने नाशवान चीजों का सहारा लिया है।
9. (अ) आत्मालोचन करना
10. (स) कवयित्री ललद्यद की रचनाएं वाख कहलाती हैं।
11. **रिक्त स्थान :** शैव
12. **रिक्त स्थान :** कश्मीरी
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. कवयित्री प्रभु की शरण को अपना घर मानती हैं। उनका 'घर जाने की चाह' से तात्पर्य है इस भवसागर से मुक्ति पाकर अपने प्रभु की शरण में जाना।
16. कवयित्री परमात्मा को साहब मानती है, जो भवसागर से पार करने में समर्थ हैं। वह साहब को पहचानने का यह उपाय बताती है कि मनुष्य को आत्मज्ञानी होना चाहिए। वह अपने विषय में जानकर ही साहब को पहचान सकता है।
17. बंद द्वार की साँकल खोलने के लिए कवयित्री ने निम्नलिखित उपाय अपनाने का सुझाव दिया है —

i. मनुष्य को न तो सांसारिक विषयों में अधिक लिप्त रहना चाहिए और न इनसे विमुख होना चाहिए। उसे माध्यम मार्ग अपनाकर अपना जीवन पूर्ण संयम से जीना चाहिए।
ii. मनुष्य को सभी प्राणियों को समान भाव से देखना चाहिए।
iii. ईश्वर प्रत्येक स्थान पर है इसलिए मनुष्य को उसकी सच्ची भक्ति करनी चाहिए।

18. कवयित्री हिंदू और मुसलमानों को कहती है कि वे सांप्रदायिक विचारों को त्यागकर एक-दूसरे को समान समझें। इसके लिए वह तर्क देती है कि हिंदू और मुसलमान दोनों ही उसी एक ईश्वर की संतान है, फिर हिंदू-मुसलमान के आधार पर ऊँच-नीच या छोटे-बड़े की बात कहाँ से आ गई।
19. हमारे संतों, भक्तों और महापुरुषों ने बार-बार चेताया है कि मनुष्यों में परस्पर किसी भी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होता, लेकिन आज भी हमारे समाज में भेदभाव दिखाई देता है-समाज में भेदभाव के कारण देश और समाज को बहुत हानि हो रही है। उनमें से कुछ निम्नलिखित हैं- भेदभाव के कारण देश और समाज को हानि हो रही है। भेदभाव वह मनुष्य करते हैं जिनको ज्ञान का असली अर्थ मालूम नहीं होता है। जिस समाज में भेदभाव की भावना होती है वह समाज अंदर से खोखला हो जाता है। भेदभाव की भावना समाज को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट देती है। लोग जाति धर्म के अनुसार ही लोगों से बात करते हैं। दूसरे धर्म तथा जातियों के लोगों को हीन भावना से देखते हैं। यह सारी उपज भेदभाव की है। भेदभाव के कारण जो लोग निर्दोष हैं वह भी लोगों को शत्रुओं के समान प्रतीत होते हैं। आपसी भेदभाव के कारण भय संदेह और अविश्वास बना रहता है। धर्म तथा जाति के भेदभाव के कारण आपसी तालमेल तो नष्ट होता ही होता है और उसी के साथ साथ दो देशों के बीच भी एक नफरत की दीवार खड़ी हो जाती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें जहाँ चाहें जैसे चाहें
100% FREE!
Video Courses | Quiz | Test Series
Download Mission Gyan App

**20.** इन पंक्तियों के माध्यम से कवियत्री ने ईश्वर की सर्व व्यापकता को स्पष्ट किया है। कवियत्री का कहना है कि शिव अर्थात ईश्वर तो हर जगह व्याप्त हैं। वे तो इस संसार के कण-कण में समाए हुए हैं। इसलिए ईश्वर में भेद मत कर। क्या हिंदू क्या मुसलमान ईश्वर सबके लिए हैं, सब ईश्वर के बनाए बंदे हैं। इंसान ने स्वयं को हिंदू-मुसलमान आदि में बाँटकर ईश्वर की महिमा को पहचाना नहीं है। अगर तुम ज्ञानी हो, तो स्वयं को पहचानो और जान लो कि ईश्वर एक है, उसी से तुम्हारी पहचान है।

यदि तुम ईश्वर के सच्चे स्वरूप को पहचान लोगे तो तुम्हें आत्मज्ञान की प्राप्ति होगी और यही आत्मज्ञान तुम्हें ईश्वर के निकट ले जाएगा।

**21.**

**i.** (द) भक्ति के सरल मार्ग पर नहीं चलने की

**ii.** (ब) सुषुम्ना नाड़ी की साधना से

**iii.** (ब) उसके पास ईश्वर को देने के लिए कुछ नहीं है

**iv.** (ब) भक्ति की सहज भावना

**v.** (द) ईश्वर का

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App